नई दिल्ली, मंगलवार
21 अगस्त 2018
नोएडा
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 16+6=22

दैनिक जागरण

www.jagran.com
दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

मेरा शुरू से ही ध्यान स्वर्ण पर था। मैंने अच्छी ट्रेनिंग की और भगवान ने मेरा साथ दिया। आज का दिन मेरे लिए अच्छा रहा। वोट खिलाड़ी के करियर का हिस्सा है। मैं रियो ओलंपिक में वोट के बाद और भी ज्यादा मजबूत हुई।
– विनेश फोगाट

केरल की बाढ़ को केंद्र ने गंभीर आपदा घोषित किया 11
कोहली के शतक से नंबर वन टीम की गिरफ्त में अंग्रेज 15

एयरपोर्ट बना तो नोएडा-ग्रेनो से भी आगे होगा जेवर

गौतमबुद्ध नगर के शहरों को पछाड़ दुनिया में चमकेगा क्षेत्र, एनसीआर की तरक्की का नया रास्ता खोलेगा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा

धर्मेंद्र चंदेल ● वोटर नोएडा

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का सपना साकार हुआ तो विकास, रोजगार, ढांचागत सुविधा व होटल उद्योग में यह शहर नोएडा और ग्रेटर नोएडा को भी पीछे छोड़ देगा। जेवर के आसपास पांच व सात सितारा होटल बनेंगे। इनमें हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा। समूचे क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछेगा। सभी शहरों से जेवर की कनेक्टविटी होगी। मेट्रो दौड़ेगी। इससे जेवर और आसपास के गांवों में आना-जाना आसान होगा। गांवों के कम पढ़े-लिखे लोगों के लिए दूध, सब्जी, किराना आदि कारोबार के साथ टैक्सी व ऑटो चलाकर अपनी जीविका चलाने में मदद मिलेगी। उन्हें अपने घरों के पास इन धंधे से आमदनी होगी।

नोएडा, ग्रेटर नोएडा को अग्रणी शहरों में गिना जाता है। इन दोनों शहरों में देश के विभिन्न राज्यों के लोग रोजगार और कारोबार करने आते हैं। गांवों के लोगों को मॉल, होटल, रेस्टोरेंट, बार व पब आदि में रोजगार मिला हुआ है। दोनों शहरों के अंतर्गत आने वाले गांवों में भी किराए की आमदनी बढ़ी है। होटल, रेस्टोरेंट आदि में दूध, सब्जी व अन्य सामान गांवों से ही जाता है। गौतमबुद्ध नगर का हिस्सा होने के बावजूद जेवर क्षेत्र विकास में पिछड़ा हुआ है। किसी भी गांव के लिए ठीक से सड़क नहीं बनी। परिवहन व स्वास्थ्य सेवाएं दोयम दर्जे की हैं।

औद्योगिक विकास के द्वार खुलेंगे

अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के निकट उद्योग-धंधे की स्थापना की उम्मीदें बढ़ जाएंगी। इससे क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और आर्थिक विकास आएगा।

शेष जमीन की बढ़ जाएगी कीमत

एयरपोर्ट बनने के बाद किसानों के पास जो जमीन शेष बच जाएगी, उसकी कीमत काफी बढ़ जाएगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के पूर्व चेयरमैन टी. जार्ज जोसफ का कहना है कि एयरपोर्ट के तीस से चालीस किमी के दायरे में पड़ने वाली जमीन की कीमत में भारी वृद्धि होगी। इसका सीधा लाभ किसानों को मिलेगा। इसलिए जेवर एयरपोर्ट समूचे जिले के लिए फायदे का सौदा साबित होगा।

अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं

क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर के मॉल व शॉपिंग कॉम्पलेक्स का विकास होगा। इससे जहां रोजगार के अवसर सृजित होंगे, वहीं सुविधाएं भी पहुंच में आएंगी।

शिक्षा के लिए नहीं जाना पड़ेगा दूसरे शहरों में

जेवर क्षेत्र में अच्छे शैक्षिक संस्थानों का अभाव है। एयरपोर्ट बनने के बाद यहां जानेमाने विश्वविद्यालय, कालेज और स्कूलों की शाखाएं खुलेंगी। गलगोटिया कालेज के चेयरमैन डा. सुनील गलगोटिया का कहना है कि दुनिया भर में जहां-जहां एयरपोर्ट है, वहां विश्व के नामचीन शैक्षिक संस्थान हैं। एयरपोर्ट बनने के बाद जेवर में भी नामी संस्थान खुलेंगे। उनके किसानों के बच्चों को अच्छी शिक्षा ग्रहण करने का मौका मिलेगा। अच्छी शिक्षा होगी तो रोजगार भी उसकी तरह का मिलेगा।

टूर एंड ट्रैवल्स

राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटकों के आनेजाने से क्षेत्र में टूर एंड ट्रैवल्स के क्षेत्र में संभावनाएं बढ़ जाएंगी। इससे लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

होटल व रेस्टोरेंट

अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की सुविधा के लिए कंपनियां होटल व रेस्टोरेंट के क्षेत्र में बड़ा निवेश करेंगी, जिससे क्षेत्रवासियों को विकास के नए अवसर मिलेंगे।

आवासीय कॉलोनियां

आसपास के इलाकों में आवासीय कॉलोनियों का विकास होगा। इससे पूरे इलाके की तस्वीर और पहचान ही बदल जाएगी। इलाके का सरकार नियोजित तरीके से विकास कराएगी ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र की साफ-सुथरी छवि कायम हो सके।

इलस्ट्रेशन : अवधेश राजपूत

● परिकल्पना पर आधारित

दूर होगी पिछड़ेपन की टीस :

नोएडा, ग्रेटर नोएडा के विकास को देखकर जेवर के लोगों के मन में पिछड़ेपन की टीस थी। उनकी टीस को अब जेवर एयरपोर्ट दूर करेगा। एयरपोर्ट बनने के बाद समूचे क्षेत्र का कायाकल्प हो जाएगा। दिल्ली के इंदिरा गांधी हवाई अड्डे से जिस तरह गुरुग्राम का कायापलट हो गया, उसी तरह जेवर भी नोएडा, ग्रेटर नोएडा को पछाड़कर दुनिया के मानचित्र पर अपनी जगह बनाएगा। आने वाले दिनों में गौतमबुद्ध नगर की पहचान नोएडा, ग्रेटर नोएडा के बजाय जेवर से होगी। नोएडा, ग्रेटर नोएडा के पूर्व चेयरमैन व सीईओ ब्रजेश कुमार का कहना है कि एयरपोर्ट बनने के बाद जेवर मुंबई की तरह प्रसिद्ध हो जाएगा। जिस तरह मुंबई को देश की आर्थिक राजधानी कहा जाता है, उसकी तरह जेवर की पहचान होगी। इसका फायदा सबसे ज्यादा गांवों के लोगों का होगा।

एक लाख लोगों को तत्काल मिलेगा रोजगार :

एयरपोर्ट बनने के बाद एक लाख लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। यमुना प्राधिकरण के चेयरमैन डा. अरुणवीर सिंह का कहना है कि होटल व रेस्टोरेंट बनने से गांवों के लोगों का सामान उनमें बिकेगा। लोग छोटे-छोटे रेस्टोरेंट चलाएंगे। बजट होटल खोलेंगे। गांवों में किराए के मकान बनेंगे। लोगों को मकानों के किराए से भारी आमदनी होगी।